भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *145
जिसका उत्तर 29 जुलाई, 2026 को दिया जाना है।
7 श्रावण, 1948 (शक)

मेमोरी चिप का उत्पादन

***145. श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी :**
श्री इटेला राजेंदर :

क्या **इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को यह प्रत्याशा है कि और अधिक कंपनियां देश में मेमोरी चिप का उत्पादन शुरू करेंगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या आपूर्ति-मांग असंतुलन की स्थिति वैश्विक परिघटना है, जिसे अब कई और डाटा केंद्रों की स्थापना करके दूर किया जा रहा है;

(ग) यदि हां, तो क्या इस क्षेत्र में मांग-आपूर्ति के अंतर को दूर करने के लिए नई कंपनियों द्वारा देश में मेमोरी चिप का विनिर्माण करने के लिए निवेश किए जाने की संभावना है जबकि मौजूदा निवेशकों द्वारा उत्पादन में वृद्धि किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या मेमोरी (डाटा स्टोरेज) कार्डों और उन्नत चिप की भारी मांग के कारण पिछली तिमाहियों में वैश्विक आपूर्ति की कमी हो गई है और कीमतें उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं और विनिर्माता विश्व भर में बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निवेश और उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि कर रहे हैं और मेमोरी चिप की उच्च कीमतों के कारण स्मार्टफोन और लैपटॉप सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से **(ङ)** : एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

मेमोरी चिप का उत्पादन के संबंध में दिनांक 29.07.2026 को लोक सभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *145 के उत्तर में उल्लिखित विवरण पत्र

****

(क) से **(ङ):** माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, सरकार ने मेमोरी चिप्स और अन्य अर्धचालकों (सेमीकंडक्टर) सहित संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण के विकास के लिए संरचित और लक्षित नीतिगत पहलों को अपनाया।

इसके परिणामस्वरूप, भारत अब प्रमुख इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक प्रमुख तंत्र के रूप में उभरकर सामने आया है, जैसा कि नीचे देखा जा सकता है:

#	2014-15	2025-26	टिप्पणियां
इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का उत्पादन (₹)	~1.9 लाख करोड़	~13.11 लाख करोड़	7 गुना वृद्धि
इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात (₹)	~38 हजार करोड़	~4.24 लाख करोड़	11 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का उत्पादन (₹)	~18 हजार करोड़	~6.27 लाख करोड़	33 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का निर्यात (₹)	~1500 करोड़	~ 2.59 लाख करोड़	165 गुना वृद्धि

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम:

समग्र अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अर्धचालकों के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करते हुए, सरकार ने सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब्स सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की स्थापना और भारतीय डिजाइन किए गए चिप्स को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2022 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया।

मेमोरी विनिर्माण:

मेमोरी चिप्स सेमीकंडक्टर कार्यक्रम में शामिल हैं। दो कंपनियां भारत में मेमोरी चिप्स का विनिर्माण कर रही हैं। एक इकाई (माइक्रोन) डीआरएएम, एनएएनडी फ्लैश मेमोरी और सॉलिड स्टेट ड्राइव का विनिर्माण कर रही है। दूसरी इकाई (सहस्र) एनएएनडी फ्लैश मेमोरी का विनिर्माण कर रही है।

आपूर्ति मांग परिदृश्य:

उद्योग निकायों से मिली जानकारी के अनुसार, मेमोरी डिवाइस और उन्नत चिप्स की मजबूत मांग बड़े पैमाने पर एआई सर्वर और डेटा केंद्रों द्वारा संचालित होती है। इस मांग ने वैश्विक आपूर्ति को कड़ा कर दिया है और दुनिया भर में कीमतों को मजबूत कर दिया है।

सेमीकॉन 2.0:

देश और दुनिया की अर्धचालक जरूरतों को पूरा करने के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी है, जो अर्धचालकों के विनिर्माण, डिजाइन और पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी कंपनियों के लिए भी पर्याप्त अवसर प्रदान कर रहा है।

******